



10798 - हवाई जहाज का सवार पानी न मिलने की अवस्था में कैसे बुझू करेगा ?

प्रश्न

अगर हवाई जहाज में पानी न मिले या जम जाये, या पानी के चूने (रसने) या जहाज में उस से कोई हानि पैदा होने के डर से पानी के प्रयोग करने में रुकावट पैदा हो जाये, या पानी पर्याप्त न हो, तो ऐसी हालत में जहाज का सवार कैसे बुझू करेगा जबकि मिटटी भी मौजूद नहीं है ?

विस्तृत उत्तर

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह तआला के लिए योग्य है।

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान अल्लाह के लिए योग्य है।

जैसाकि आप ने उल्लेख किया है कि बुझू करना असंभव या कठिन है, और अल्लाह तआला का फरमान है : "और उस ने दीन के मामले में तुम पर कोई तंगी नहीं डाली।" (सूरतुल हज्ज : 78)

अतः हवाई जहाज पर सवार आदमी तयम्मुम करेगा यदि उस में गर्द व गुबार मौजूद है, और अगर उस में गर्द व गुबार नहीं है तो वह बिना बुझू के ही नमाज पढ़ेगा क्योंकि वह असक्षम है, और अल्लाह तआला का फरमान है : "अतएव अपनी यथाशक्ति अल्लाह से डरते रहो।" (सूरतुल-तगाबुन : 16)

किन्तु अगर उस के लिए संभव है कि वह दूसरी नमाज के समय में जिसके साथ उस से पहले वाली नमाज एकत्र करके पढ़ी जाती है, हवाई अड्डे पर उतर जायेगा तो ऐसी अवस्था में वह उस नमाज को विलंब कर दे अर्थात् विलंब करके उसे दूसरी नमाज के समय पर एक साथ पढ़ने की नीयत कर ले और जब हवाई अड्डे पर उतरे तो दोनों नमाजों को एक साथ पढ़ ले। लेकिन अगर उस के लिए ऐसा संभव न हो जैसेकि वह एक साथ एकत्र करके पढ़ी जाने वाली नमाजों में से दूसरी नमाज का समय हो, या वह नमाज अपने बाद वाली नमाज के साथ एकत्र करके न पढ़ी जाती हो जैसे अस्त्र की नमाज मग़िब के साथ, और इशा की नमाज फज्र की नमाज के साथ, तो ऐसा आदमी अपनी स्थिति अनुसार नमाज पढ़ेगा।

एलामुल मुसाफिरीन बि-बाज़ि आदाबि व अहकामिस्सफर वमा यखुस्सो अल-मल्लाहीन अल-जव्वीईन